प्रेस विज्ञप्ति
तत्काल प्रकाशनार्थ

दुनिया के सबसे बड़े एड्रिनल ट्यूमर को सफलतापूर्वक बीएमआई–48 वाले मरीज की सर्जरी कर निकाला गया

- *वजन में अनियंत्रित वृद्धि की वजह मरीज ने बैरिएट्रिक सर्जरी कराने का विचार किया, जांच के दौरान मरीज में एड्रिनल मायोलोलिपोमा का चला पता*

नई दिल्ली, 21 फरवरी, 2017: 55 वर्षीय श्री अश्विनी मारवाह का पिछले कुछ वर्षों से वजन लगातार बढ़ रहा था। वह टाइप 2 डायबिटिज़ मेलिटस (टी2डीएम) और हाइपटेंशन से भी पीड़ित थे। इसकी वजह से मरीज को बैरिएट्रिक सर्जरी कराने पर विचार करना पडा। सर्वप्रथम डॉ. अनूप मिश्रा, चेयरमैन फोर्टिस सी-डॉक द्वारा मरीज का मूल्यांकन और जांच की गई, जिसमें उन्होंने पाया कि मरीज के पेट में एक बड़े आकार 30X25 सेंटीमीटर का ट्यूमर है, जो पूरी तरह से पेट की दाईं तरफ कब्ज़ा करते हुए बाईं तरफ तक पहुंच गया है। मरीज को ट्यूमर का पहले से पता नहीं था और वह समझ रहे थे कि वजन बढ़ने की वजह से पेट के दाईं ओर खिंचाव और भारीपन था, जिसे स्पर्श कर महसूस किया जा सकता था। ट्यूमर शरीर के महत्वपूर्ण अंगों खासकर किडनी, इन्फीरियर वेनाकावा और आंतों से सटा हुआ था। मरीज को फोर्टिस फ्लाइट लेफ्टिनेंट राजन ढल हॉस्पिटल, वसंत कुंज (एफएचवीके) के डॉ. रणदीप वधवाण, निदेशक, एमएएस, बैरिएट्रिक एंड जीआई सर्जरी के पास रेफर कर दिया गया।

डॉ. वधवाण के अनुसार, *''बड़े एड्रिनल मायोलोलिपोमा (>10cm) के मामले बढ़ रहे हैं, जो जानलेवा हैं और आवर्तक रेट्रोपेरिटोनियल हैमरेज के कारण फोड़ा और उसके फटने जैसी जटिलताएं हो सकती हैं। श्री अश्विनी के मामले में उनका बॉडी–मास इंडेक्स (बीएमआई) 48 था, वह डायबिटिज़ मेलिटस, हाइपरटेंशन और अपवृक्कता के प्रारंभिक परिवर्तन से पीड़ित थे, जिससे उनकी सर्जरी में काफी ज्यादा जोखिम था। सर्जरी से पहले उनकी गहनता से जांच की गई। बड़े आकार के ट्यूमर को देखते हुए हमने उनके पेट में एक बड़ा सा चीरा लगाया। सर्जरी के माध्यम से निकाले गए ट्यूमर का वजन 11.5 किलोग्राम था, जो अब तक निकाले गए सबसे बड़े एड्रिनल मायोलोलिपोमा था। यह बहुत अधिक वैस्कुलर था और दाईं किडनी, इनफीरियर वेनाकावा तथा आंतों से भी जुड़ा हुआ था। इस सर्जरी में सबसे बड़ी चुनौती उनकी दाईं किडनी को नुकसान होने से*

बचाना था क्योंकि उनकी किडनी पहले ही मधुमेह और हाइपरटेंशन जैसी दो बीमारियों की वजह से प्रभावित हो चुकी थी। ट्यूमर की हिस्टोपैथोलॉजी जांच से एड्रिनल मायोलोलिपोमा की पुष्टि हुई।''

भारत में अब तक सबसे बड़े ट्यूमर जिसका पता चला है वह 6 किलोग्राम का था और उसे 2003 में निकाला गया था। श्री मारवाह का मामला सामने आने से पहले दुनिया में सबसे बड़े एड्रिनल एडनोम को एड्रिनल ट्यूमर्स की विभेदक जांच से 2013 में एक मरीज से निकाला गया और उसका वजन 7.5 किलोग्राम था, जिसके बारे में दावा किया गया था कि यह अब तक का सबसे बड़ा निकाला गया एड्रिनल ट्यूमर है। एड्रिनल मायोलोलिपोमा बेहद दुर्लभ सौम्य ट्यूमर है, जिसमें परिपक्व वसा ऊतक और हेमेटोपोएइटिक की वैरिएबल मात्रा, एलिमेंट्स शामिल होते हैं। अधिकतर घाव छोटे और स्पर्शोन्मुखी होते हैं और संयोग से ही इसका पता चलता है। आमतौर पर ये छोटे, स्पर्शोन्मुखी और गैर–क्रियाशील प्रवृत्ति के होते हैं और इसका विस्तार 0.05 से 0.2% तक होता है।

फोर्टिस फ्लाइट लेफ्टिनेंट राजन ढल हॉस्पिटल, वसंतकुंज (एफएचवीके) के फैसिलिटी डायरेक्टर श्री अबरारअली दलाल ने कहा, *''एफएचवीके की एमएएस, बैरिएट्रिक एवं जीआई सर्जरी टीम दुर्लभतम मामलों का उपचार करने के लिए बेहद उन्नत और व्यापक देखभाल कार्यक्रम से लैस है। डॉ.* वधवाण *और उनकी टीम ने मोटापे के शिकार एक बीमार मरीज की चार घंटे तक जटिल सर्जरी सफलापूर्वक पूरा कर मरीज को नया जीवन देकर चिकित्सा के क्षेत्र में एक और कीर्तिमान कायम किया है। हम अपने मरीजों का आभार व्यक्त करते हैं, जिन्होंने आज अपनी बीमारी के ठीक होने की कहानियां साझा की। यह एक टीम के तौर पर हमारे लिए सबसे बड़ा पुरस्कार है।''*

श्री अश्विनी मारवाह ने प्रसन्नतापूर्वक अपने अनुभव साझा किए, ''मैं उस समय दंग रह गया जब डॉ. वधवाण ने मुझसे कहा कि आपके वजन में बढ़ोतरी मधुमेह की वजह से नहीं हो रही है, बल्कि बड़े एड्रिनल ट्यूमर के कारण ऐसा है। डॉ वधवाण ने जब यह कहा कि ट्यूमर मेरे अन्य अंगों को नुकसान नहीं पहुंचा रहा है और इसे निकाला जा सकता है, तब मुझे बहुत राहत महसूस हुआ। सर्जरी के बाद मेरा वजन 30 किलोग्राम से भी कम हो गया और अब मधुमेह भी नियंत्रण में है। सर्जरी के बाद मेरी स्थिति में तेजी से सुधार हुआ और मुझे नया जीवन देने के लिए मैं डॉ. वधवाण और उनकी टीम का शुक्रगुज़ार हूं।''

फोर्टिस फ्लाइट लेफ्टिनेंट राजन ढल अस्पताल के बारे में

फोर्टिस हॉस्पीटल वसंत कुंज 150 बिस्तरों की सुविधा वाला एनएबीएच मान्यता प्राप्त मल्टी–स्पेश्यलिटी, टर्शियारी केयर अस्पताल है जहां संपूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया करायी जाती हैं। यह अस्पताल भारत में वर्ल्ड क्लास इंटीग्रेटेड हैल्थकेयर डिलीवरी सिस्टम तैयार करने की फोर्टिस हैल्थकेयर की विज़न का परिणाम है। प्रीवेंटिव हैल्थ तथा इमरजेंसी सेवाओं के क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं तथा अत्याधुनिक उपचार टैक्नोलॉजी समेत अस्पताल में सभी कुछ उपलब्ध है। इसकी हैल्थकेयर टीम में देश–विदेश के प्रतिष्ठित संस्थानों के स्वास्थ्य पेशेवर शामिल हैं जो संपूर्ण एवं दयाभाव के साथ मरीज़ों की देखभाल के लिए समर्पित हैं।

फोर्टिस हैल्थकेयर लिमिटेड के बारे में

फोर्टिस हैल्थकेयर लिमिटेड भारत में अग्रणी एकीकृत स्वास्थ्य सेवा प्रदाता है। कंपनी की स्वास्थ्य सेवाओं में अस्पतालों के अलावा डायग्नॉस्टिक एवं डे केयर स्पेश्यलिटी सेवाएं शामिल हैं। फिलहाल कंपनी भारत समेत दुबई, मॉरीशस और श्रीलंका में 45 हैल्थकेयर सुविधाओं (इनमें वे परियोजनाएं भी शामिल हैं जिन पर फिलहाल काम चल रहा है), करीब 10,000 संभावित बिस्तरों और 346 डायग्नॉस्टिक केंद्रों का संचालन कर रही है।

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें :

फोर्टिस हैल्थकेयर लिमि	एवियन मीडिया
अजेय महाराजः **+91 9871798573;** **ajey.maharaj@fortishealthcare.com** तनुश्री रॉय चौधरीः **+91 9999425750** **tanushree.chowdhury@fortishealthcare.com** प्रीति श्रीवास्तवः **+9109910605271** **Ms.priti@fortishealthcare.com**	रिशू सिंहः **+91-9958891501;** **rishu@avian-media.com** प्रीति सहरावतः **+91- 9711170599;** **preeti@avian-media.com**